लक्ष्य के मुताबिक चुनें विषय

अकादमिक शब्दावली में मेजर और माइनर का मतलब क्या है और विद्यार्थी यह कैसे तय करें कि वे किस क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करें, इस पर पेश है सलाह।

लिंडा तोबाश

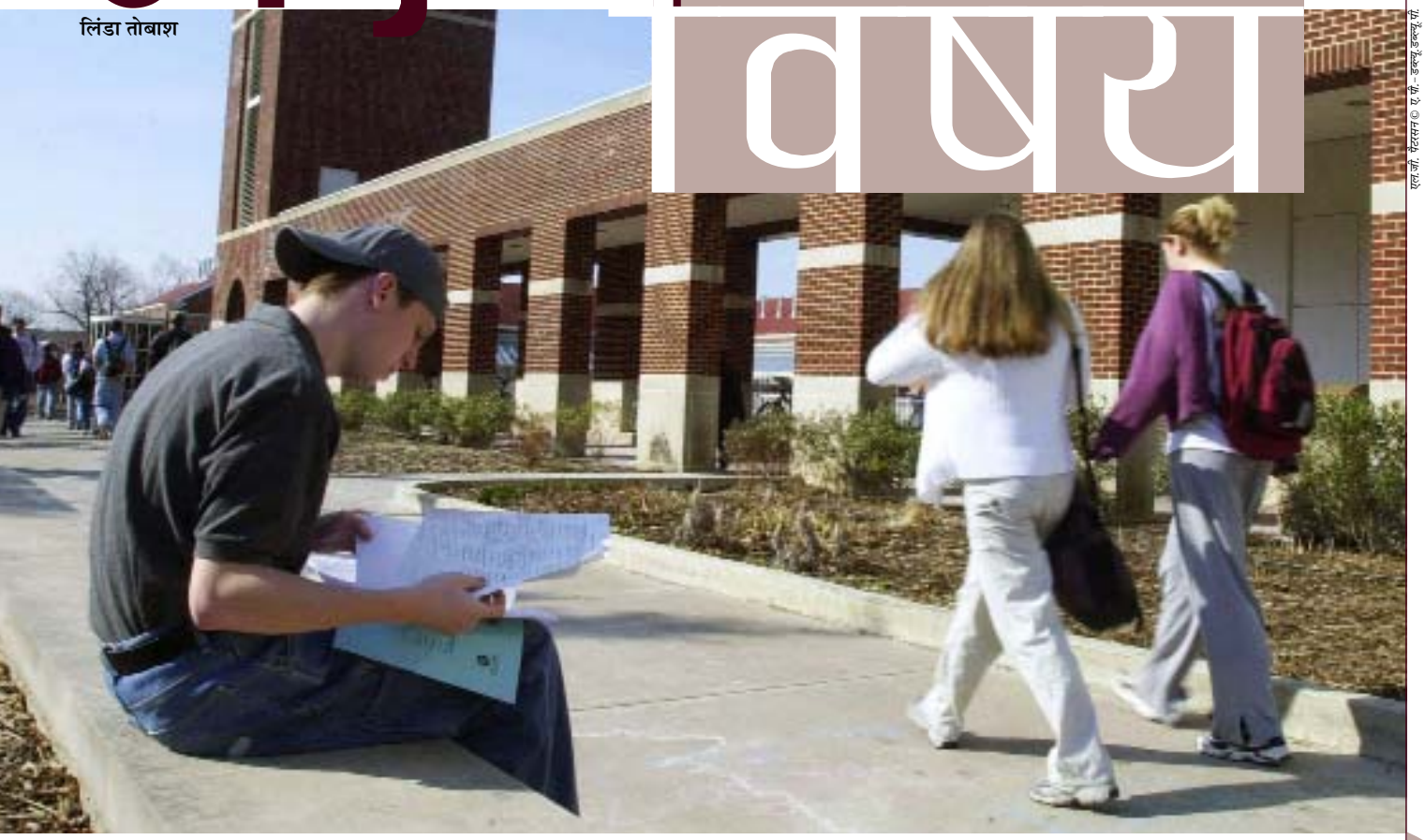

एल. जी. पेटरसन © ए. पी. - डब्ल्यू डब्ल्यू पी.

ट्रूमैन स्टेट यूनिवर्सिटी में ताजा-ताजा प्रवेश लेने वाले डैन ओ'ब्रायन (बाएं) : विद्यार्थियों के मन में मेजर को लेकर चलती है जद्दोजहद।

डॉ. डेविड ब्राउनली पेंसिल्वैनिया विश्वविद्यालय में कला इतिहास के प्रोफेसर हैं। बीते दिनों को याद करते हुए वह कहते हैं, ''ज्यादातर लोगों की तरह ही वह साल मुझे अब भी अच्छी तरह याद है जब मैंने अपना प्रमुख विषय (मेजर), जिसमें मुझे विशेषज्ञता हासिल करनी थी, चुना। इसके लिए मुझे तीन बार अपना फैसला बदलना पड़ा।'' ज्यादातर छात्रों के सामने यह सचमुच एक बड़ा मुद्दा होता है। विशेषज्ञता वाले सैकड़ों विषयों, हजारों कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में वह चयन कैसे करें। क्या विषय लें, कहां पढ़ें? किसी विशाल विश्वविद्यालय में दाखिला लें या किसी उन्मुक्त माहौल वाले छोटे से कला कॉलेज में जाएं। या फिर ऐसे किसी संस्थान में पढ़ें जो इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी अथवा कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई में महारत रखता हो। सवाल यह भी है कि इसके लिए देश के ही किसी शहर में जाया जाए या विदेश में, किसी समुद्रतटीय कॉलेज में दाखिला लें या फिर किसी पहाड़ी की गोद में बसे शिक्षण संस्थान में, घर के निकट रहा जाए या दूर। फैसला यह भी करना होता है कि क्या ऐसे स्कूल में पढ़ा जाए जो वित्तीय मदद मुहैया कराता हो या फिर ऐसा स्कूल, जो विशेष अतिरिक्त गतिविधियां, मसलन- फुटबाल टीम में खेलने का मौका देता हो, कैंपस रेडियो या टीवी स्टेशन में काम करने का अवसर प्रदान करता हो, अखबार निकालने, ड्रामा या फिर फिल्म निर्माण का काम सिखाता हो। लेकिन कई दूसरे लोगों के लिए कॉलेज की तलाश इस तथ्य पर निर्भर करती है कि वे क्या पढ़ना चाहते हैं और उस विषय की सबसे अच्छी पढ़ाई कहां हो सकती है।

दूसरे कई देशों के विपरीत, जहां कॉलेज में पढ़ाई का प्रमुख विषय तय करने का आधार यह होता है कि छात्र के सेंकेंडरी स्कूल में क्या विषय थे या

कॉलेज की प्रवेश परीक्षा में उसने कितने अंक प्राप्त किए, अमेरिकी कॉलेजों या विश्वविद्यालयों में दाखिले के इच्छुक अंडरग्रेजुएट छात्रों को कहीं भी प्रवेश लेने या अपनी पसंद का प्रमुख विषय चुनने का पूरा मौका मिलता है। निश्चित रूप से बेहद चुनिंदा संस्थानों में प्रवेश परीक्षा बहुत कठिन होती है और गिने-चुने छात्रों को ही इनमें प्रवेश मिल पाता है। यहां तक कि कुछ कम मशहूर संस्थानों में भी, इंजीनियरिंग और नर्सिंग जैसे प्रमुख पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए कड़ी स्पर्धा होती है। लेकिन इसके बावजूद कहा जा सकता है कि छात्रों के लिए विषयों के चयन का दायरा काफी व्यापक होता है।

पसंदीदा विषय चुनें

''मेजर, अध्ययन का एक ऐसा क्षेत्र या विषय है, जिसे आप अपने अंडरग्रेजुएट शिक्षण कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञता हासिल करने के लिए चुनते हैं। आपकी पसंद यह भी तय करती है कि संबद्ध विषय पर आपको कितनी ऊर्जा लगानी है और कितना समय देना है। अपने विषय और विश्वविद्यालय की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के बाद आपको स्नातक की डिग्री मिलती है। आपका प्रमुख विषय आपको अपने बौद्धिक कौशल को निखारने और यह साबित करने का मौका देता है कि आप उस विषय के मूलभूत एवं उच्च सिद्धांतों को कितना समझ पाए हैं। अब यह आप पर निर्भर करता है कि आप कौन सा विषय चुनते हैं।'' स्टानफोर्ड विश्वविद्यालय की वेबसाइट में यह जानकारी दी गई है।

जब छात्र कोई मेजर चुनता है तो उसे संबद्ध विश्वविद्यालय से एक तयशुदा पाठ्यक्रम को पूरा करने के करार में शामिल होना पड़ता है। यह पाठ्यक्रम प्रमुख विषय की अकादमिक और आम शैक्षिक जरूरतों को पूरा करता है। कॉलेज के पाठ्यक्रम में सिर्फ मेजर से संबंधित कोर्स ही नहीं होते। पाठ्यक्रम का 50 से 60 फीसदी हिस्सा सामान्य (जनरल) शिक्षा और ऐच्छिक विषयों का हो सकता है। ऐच्छिक विषय वे हैं, जिन्हें छात्र वैकल्पिक विषयों की एक बड़ी शृंखला में से चुनते हैं। ये विषय मेजर से बाहर के भी हो सकते हैं और उससे जुड़े भी। सामान्य शिक्षा के पाठ्यक्रमों की संख्या मेजर और स्कूल पर निर्भर करती है। लेकिन यह तय है कि सभी स्कूलों में सामान्य शिक्षा के कुछ कोर्स तो करने ही होते हैं। अमेरिका की अंडरग्रेजुएट शिक्षा उदारवादी कला परंपरा का प्रतिनिधित्व करती है और इस मामले में सामान्य शिक्षा की एक बड़ी भूमिका है। सभी अंडरग्रेजुएट डिग्रियों का मकसद छात्रों के किसी विशिष्ट क्षेत्र में महारत हासिल करने के साथ ही उनमें चिंतन का कौशल पैदा करना और उन्हें यह सिखाना होता है कि सीखा कैसे जाए।

कई संस्थानों में छात्र अपनी पढ़ाई के मेजर और माइनर क्षेत्र चुन सकते हैं। एक माइनर श्रेणी का विषय अकादमिक मेजर से गहराई से जुड़ा होता है। मिसाल के लिए कोई छात्र अपना मेजर विषय अंग्रेजी और माइनर विषय ड्रामा चुन सकता है। या मेजर इतिहास और माइनर राजनीति विज्ञान या इसका उलटा भी। कुछ संस्थान छात्रों को शैक्षिक सलाहकारों की सेवाएं मुहैया कराते हैं, जिनकी मदद से वे अपना मेजर चुन सकते हैं। अब ऐसे अंडरग्रेजुएट छात्रों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जो दोहरे मेजर ले रहे हैं। इसे इस तरह समझ सकते हैं कि ये छात्र दो प्रमुख विषयों की जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। दो मेजर भी आपस में जुड़े हो सकते हैं। उदाहरण के लिए सामाजिक विज्ञान में इतिहास और समाजशास्त्र। या फिर वे पूरी तरह से अलग-अलग भी हो सकते हैं, जैसे कि जीव विज्ञान और साहित्य। ग्रेजुएट स्कूल में खुद को ज्यादा प्रतिस्पर्धी बनाने और बेहतर कॅरिअर के लिहाज से छात्र एक से ज्यादा मेजर चुनते हैं। लेकिन कई बार व्यक्तिगत लगाव के कारण वे डबल मेजर का चयन भी करते हैं। कुछ संस्थानों में एक साथ डबल मेजर लिए जा सकते हैं, तो कई जगह इन्हें बारी-बारी से लेना पड़ता है। इसके कारण डिग्री हासिल करने में थोड़ा ज्यादा समय लग सकता है, लेकिन ये छात्र हर मेजर की पढ़ाई शुरू से नहीं करते। सामान्य शिक्षा और यहां तक कि एक मेजर में ऐच्छिक पाठ्यक्रमों की संख्या दूसरे मेजर में डिग्री हासिल करने की राह को आसान बनाती है। सभी संस्थान यह स्पष्ट रूप से बताते हैं कि स्नातक होने के लिए छात्रों से क्या अपेक्षा की जाती है और कोर्स की जरूरतें क्या हैं। छात्र हर टर्म में आमतौर पर अकादमिक सलाहकार से मिलते हैं, जो उन्हें विषयों के चयन में सहायता करते हैं। ज्यादातर संस्थान छात्रों को अपने शैक्षिक कार्यक्रमों और डिग्री से जुड़ी जरूरतों की लिस्ट मुहैया कराते रहते हैं।

प्रिंस जॉर्ज कम्युनिटी कॉलेज के विद्यार्थी अब्दीशकूर मुख्तार वर्ष 2004 में कॉलेज के प्रवेश कार्यालय के बाहर अपने साथी एनसन नॉसनबर्गर से शरत पाठ्यक्रम में पंजीकरण से पहले चर्चा करते हुए।

मेट ह्यूस्टन © ए.पी.- डब्ल्यू.डब्ल्यू.पी.

मेजर बदलने में संकोच न करें

कई छात्र जब कॉलेज में दाखिला लेते हैं तो उनको पता होता है कि वे सचमुच क्या पढ़ना चाहते हैं। कई सोचते हैं कि वे यह जानते हैं और कइयों को इस बारे में कोई भी जानकारी नहीं होती। नतीजा यह होता है कि ज्यादातर छात्र बाद में कम से कम एक बार अपना मेजर बदल लेते हैं। अमेरिका में ऐसे अंडरग्रेजुएट छात्रों की संख्या करीब दो तिहाई होती है और इनमें से कई तो अंतिम रूप से अपना मेजर चुनने से पहले चार या पांच बार विषय बदलते हैं। इसी के चलते कई संस्थान यह नहीं चाहते कि कॉलेज में पढ़ाई शुरू करने से पहले

छात्र अपने मेजर का चयन करें। कई संस्थान चाहते हैं कि छात्र आवेदन के समय अंतिम रूप से न सही, पर यह बता दें कि वे किस प्रमुख विषय में रुचि रखते हैं। इससे उन्हें हर विषय में छात्रों की संख्या का एक मोटा अनुमान लगाने में आसानी होती है। छात्रों के पास अपना मेजर चुनने के लिए असीमित समय नहीं होता। उन्हें चार साल में 120 सेमेस्टर क्रेडिट में अपना डिग्री कोर्स पूरा करना होता है। जो छात्र कम्युनिटी कॉलेजों (ये दो साल में असोसिएट डिग्री देते हैं) में प्रवेश लेते हैं, उन्हें अपना मेजर जल्द से जल्द चुन लेना चाहिए। उन छात्रों को तो यह काम बहुत जल्दी कर लेना चाहिए जो ऐसे मेजर लेते हैं, जिनका पाठ्यक्रम बहुत विस्तृत हो, जैसे-उच्च तकनीकी विषय या चिकित्सा के कुछ क्षेत्र।

सलाह लेना बेहतर

कई छात्रों में किसी विषय के लिए खास लगाव होता है। कई छात्र ऐसे होते हैं, जिनका हाईस्कूल में किसी विषय में प्रदर्शन बहुत शानदार होता है। कई लोगों का अपने कॅरियर को लेकर एक लक्ष्य होता है और वही उनके लिए मेजर के चयन का आधार होता है। ये विषय इंजीनियरिंग, डॉक्टरी, नर्सिंग या शिक्षण से जुड़े हो सकते हैं। लेकिन कई छात्रों को इस बारे में कुछ भी पता नहीं होता। उनके मन में यह तस्वीर तो होती है कि वे कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने के बाद क्या करना चाहेंगे, लेकिन उन्हें इस बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं होती है कि वे अपने मकसद को पूरा करने के लिए कौन से विषय पढ़ें। वैसे, आमतौर पर कोई ऐसा इकलौता मेजर भी नहीं होता जो किसी विशिष्ट कॅरिअर का रास्ता साफ कर दे। इसीलिए कई कॉलेज छात्रों को सावधान करते हैं कि कॅरिअर और मेजर का चयन दो अलग-अलग मसले हैं। ज्यादातर शिक्षाविद् छात्रों को सलाह देते हैं कि मेजर का चयन करने के लिए उनको इस बात पर विचार करना चाहिए कि वे क्या करना पसंद करेंगे, उनकी क्षमताएं क्या हैं और वे सीखना कितना पसंद करते हैं। वैसे, मेजर के चयन में सबसे ज्यादा मदद कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से ही मिलती है। अधिकतर शिक्षण संस्थान अपनी वेबसाइट्स में अपने यहां उपलब्ध मेजर के बारे में विस्तार से जानकारी देते हैं। ऐसी कई साइटें हैं जहां उस संस्थान में उपलब्ध कार्यक्रमों और सेवाओं के बारे में जानकारी देती हैं, वहीं कई ऐसी साइटें भी हैं जिनकी सूचनाएं किसी भी कॉलेज में प्रवेश लेने और मेजर के चयन में मददगार होती हैं। इस सिलसिले में छात्रों को आमतौर पर जो सलाहें दी जाती हैं, वे हैं:

माइकल डॉयर © ए.पी.-डब्ल्यू डब्ल्यू पी.

ऑनलाइन विद्यार्थी परामर्श केंद्र मास्कट नेटवर्क के संस्थापक और प्रेसीडेंट 27 वर्षीय जाजा जैक्सन। उनकी वेबसाइट पर छात्रों को शैक्षिक संस्थानों से जुड़ी तमाम तरह की जानकारियां मिलती हैं।

- अपने बारे में अधिक से अधिक जानिए। जानें कि आपकी शैक्षिक ताकत और कमजोरी क्या है। कौन सी बात आपको आनंदित करती है, आपकी रुचियां क्या हैं, आपके जीवन मूल्य क्या हैं? स्नातक बनने के बाद आपके तात्कालिक लक्ष्य क्या हैं- नौकरी करनी है या फिर ग्रेजुएट स्कूल में दाखिला लेना है?
- अपने व्यक्तित्व और रुचियों का आकलन कराइए। यदि आपके कस्बे या सेकेंडरी स्कूल में ऐसी सुविधा नहीं है तो अपने राज्य में अमेरिकी शिक्षा सलाहकार/ सूचना केंद्र में इसका पता करिए। अमेरिकी विदेश विभाग अपने शैक्षिक कार्यक्रम के तहत 170 देशों में ऐसे 450 केंद्र चला रहा है। विस्तार से जानने के लिए देखें:

  http://www.educationusa.state.gov
- विभिन्न विश्वविद्यालयों के विभागों के बारे में जानकारी के लिए उनकी वेबसाइट पर जाइए। वहां ऑफर किए जा रहे मेजर के बारे में जानकारी लें। डिग्री की जरूरतों और उपलब्ध पाठ्यक्रमों का विश्लेषण करें। कुछ कॉलेजों के शिक्षक वेब पर अपने विषय का पाठ्यक्रम डाल देते हैं। इसका अध्ययन करें। आप विभिन्न पाठ्यक्रमों और मेजर के बारे में जितना जान सकें, उतना अच्छा होगा।
- जब आप अमेरिका पहुंच जाएं, कॉलेज या विश्वविद्यालय के स्टाफ, शिक्षकों और छात्रों से बात करें।
- कॉलेज के कॅरिअर केंद्र में जाएं और उन छात्रों की लिस्ट देखें, जिन्हें ग्रेजुएशन के बाद नौकरी मिल गई। इस पर भी गौर करें कि इन लोगों ने कौन से मेजर लिए थे।
- पंजीकरण के बाद विभिन्न विभागों में विभिन्न कोर्सों के बारे में पता करें। उन शिक्षकों के बारे में जानें जो मेजर कोर्स पढ़ाते हों और यह भी पता करें कि संबद्ध विभाग में किस तरह के छात्र प्रवेश लेना चाहते हैं।
- यदि आपको लगता है कि आपने गलत मेजर का चयन कर लिया है तो कतई चिंता न करें। अमेरिका में ज्यादातर छात्र अपने मेजर बदलते हैं। जिस मेजर को आप पसंद न करते हों, या जो आपको प्रेरक या चुनौतीपूर्ण नहीं लगता उसे छोड़ दें।
- मेजर के चयन और कॅरिअर के चयन को लेकर भ्रमित न हों। कोई भी प्रमुख विषय या मेजर आपको विभिन्न नौकरियों या कॅरिअर के लिए तैयार कर सकता है।

***लिंडा तोबाश** इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल एजुकेशन में यूनिवर्सिटी प्लेसमेंट सेवा की निदेशिका हैं।*